Nai Dunia (Indore), 08th June 2014, Page - 08

आईआईटी ने लॉन्च किया 5 वर्षीय प्रोग्राम बीटेक के साथ मास्टर डिग्री का विकल्प

संस्थान ने की वैज्ञानिक पैदा करने की कोशिश

लोकेश सोलंकी >> इंदौर

आईआईटी इंदौर ने पांच वर्षीय नया कोर्स शुरू किया है। इस कोर्स के जरिए बीटेक करने वाले विद्यार्थियों की बैचलर डिग्री के साथ ही मास्टर डिग्री का रास्ता खोला जा रहा है। आईआईटी ने बीटेक के विद्यार्थियों के साथ विकल्प रख दिया है कि एक बार प्रवेश लेकर वे सीधे एमटेक और पीएचडी की डिग्री लेकर ही संस्थान से निकलें। फिलहाल संयुक्त प्रवेश परीक्षा के जरिए आईआईटी के अंडरग्रेजुएट यानी बीटेक कोर्स के लिए प्रवेश होता है। चार वर्षीय इस कोर्स को करने के बाद मास्टर डिग्री यानी एमटेक करने के लिए विद्यार्थियों को फिर से दो वर्ष खर्च करना होते हैं। अब छात्रों को इसके लिए एक ही अतिरिक्त वर्ष लगेगा।

नई पौध खड़ी करने का प्रयास

लगातार आईआईटी जैसे संस्थानों पर सिर्फ इंजीनियर बनाने और रिसर्च को प्राथमिकता नहीं देने के आरोप लगते रहे हैं। आईआईटी इंदौर ने इस नए प्रयोग से रिसर्च में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए कोशिश की है। उन्हें पीएचडी तक रिसर्च का मौका देकर वैज्ञानिकों की एक पौध खड़ी करने का प्रयास है। इस नए पांच वर्षीय प्रोग्राम में विद्यार्थियों को सुविधा मिलेगी कि वे अपने बीटेक का थर्ड ईयर पूरा करने के बाद एमटेक का विकल्प अपना लें। इतना ही नहीं विद्यार्थी अपने रिसर्च को आगे बढ़ाकर नवें सेमेस्टर तक जाते-जाते इस कोर्स को पीएचडी में भी तब्दील करवा सकते हैं।

सिर्फ दो ब्रांच में

आईआईटी ने सत्र 2014-15 से इस नए पाठ्यक्रम को लागू भी कर दिया है। हालांकि पांच वर्षीय एमटेक और कोर्स को पीएचडी में तब्दील करने की यह सुविधा सिर्फ दो ब्रांच इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध करवाई गई है।

अग्रणी बने दोनों इंस्टिट्यूट

शहर में मौजूद देश के दोनों प्रीमियर इंस्टिट्यूट पांच वर्षीय कोर्स का नया प्रयोग शुरू करने के मामले में अग्रणी बन गए हैं। इससे पहले आईआईएम इंदौर ने भी पहली बार पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट शुरू किया था। ऐसा कर आईआईएम इंदौर देश का पहला आईआईएम बन गया है।